10. जल ही जीवन है (कहानी)

कवि - श्री प्रकाश

I उन्मुखीकरण से जुड़े प्रश्न :

1. **यह विज्ञापन किसके बारे में है?**

उ. यह विज्ञापन पेड़ और मानवी जीवन के बारे में है।

2. **यह विज्ञापन किस समाचार - पत्र का है?**

उ. यह विज्ञापन दैनिक भास्कर समाचार-पत्र का है।

3. **इससे क्या संदेश मिलता है?**

उ. इससे यह संदेश मिलता है कि ''एक पेड़ एक जिंदगी है।'' हर एक व्यक्ति को एक-एक पेड़ लगाकर उसका संरक्षण करना चाहिए।

II. पाठ का उद्देश्य :

1. जल हमारे जीवन का एक प्रमुख आधार है। पानी का सही उपयोग करके आने वाली पीढ़ियों के लिए बचा कर रखना चाहिए। इस विषय को लेकर पानी का महत्व व उपयोग और पानी संबंधी जानकारी दी जा रही है।

III. विधा विशेष :

1. **'जल ही जीवन है'** यह एक कहानी पाठ है। इस कहानी में वे सभी तत्व हैं जो एक आदर्श कहानी में होने चाहिए। यह एक काल्पनिक कहानी है। भविष्य में घटनेवाली

समस्या को काल्पनिक ढंग से उजागर कर बडे रोचक ढंग से कहानी में जल का महत्व बताया है।

IV. विषय - प्रवेश :

2. दुनिया की सभी भाषाओं में जल के अलग-अलग नाम हैं। किंतु सबकी प्यास एक है। जल के बिना जीवन की कल्पना करना असंभव है। जल में जीवन बसता है और जीवन में जल का महत्व। प्रस्तुत पाठ में इसी विषय को उजागर करने का प्रयास क्रिया गया है।

V. लेखक परिचय :

लेखक का नाम	:	श्री प्रकाश
हिन्दी साहित्य में स्थान	:	हिन्दी के जाने-माने लेखक हैं।
विशेष विधा	:	निबंध
रचनाओं के विषय	:	विज्ञान संबंधी ढेर सारे निबंध लिखे हैं

निबंधों की विशेषता यह है कि, विचारों को उत्तेजना, चालना दैते हैं। प्रस्तुत कहानी ''संचार माध्यमों के लिए विज्ञान'' नामक पुस्तक से ली गई है।

VI. शब्दार्थ :

निर्भर	=	आधारित	मस्तिष्क	=	सिर
सर्वेक्षण	=	पैमाइश, जांच	हल करना	=	सुलझाना
जासूस	=	गुप्तचर	आविष्कार	=	खोज
भूवैज्ञानिक	=	भूगर्भ शास्त्रज्ञ	प्रतीक्षा करना	=	इंतजार करना
प्रकाश वर्ष	=	कांति वर्ष	जहरीला	=	विषैला
नियंत्रण	=	वश में रखना, काबू करना	पर्यावरण	=	भूमि को घेरा हुआ वातावरण
ओझल हो जाना	=	गायब हो जाना			

VII. प्रश्नोत्तर :

1. **सर्वेक्षण में क्या बताया गया?**

उ. सर्वेक्षण में यह बताया गया कि पृथ्वी पर निरंतर पानी की कमी होती जा रही है।

2. **प्रो. दीपेश के होश क्यों उड़ गये?**

उ. पानी की समस्या पर चर्चा के बाद सब चले गये और प्रो. दीपेश आकाश की ओर देखकर कुछ सोच रहे थे कि अचानक एक तारा धरती की तरफ आता हुआ दिखाई दिया किंतु वो पुनः आकाश की ओर मुड़ गया। वो कोई तारा नही बल्कि यान था। पर, पृथ्वी पर ऐसे यान का अभी आविष्कार नहीं हुआ था। वह यान किसी अन्य ग्रह से आया होगा यही समझकर प्रो. दीपेश के होश उड़ गये।

3. **जासूसी यान से क्या तात्पर्य है?**

उ. जासूसी यान से यह तात्पर्य है कि, किसी खास कारण जानते या लक्ष्य के लिए गुप्तता से किये जानेवाले कार्य के वाहन को जासूसी यान कहते है। अन्य गृह का जासूसी यान तो पृथ्वी पर जासूसी कर सकता है। वह पृथ्वी पर हमला कर सकता है, बुध्दिजीवियों का अपहरण कर सकता हैं, खनिज संपत्ति की, जलकी चोरी भी कर सकता है।

4. **मानवाकृति अंतरिक्षयात्री कहाँ से आये थे?**

उ. मानवाकृति अंतरिक्षयात्री पृथ्वी ग्रह के निकट और एक प्रकाशवर्ष दूर के ग्रह से अंतरिक्ष-यान से आए थे।

5. **वे पृथ्वी पर क्यों आये थे?**

उ. वे पृथ्वी पर एक मिशन के तहत आए थे। उनके ग्रह का जल विषाणुओं से जहरीला हो गया था। वहाँ महामारी फैल गई थी, लोग मरने लगे थे। लोगों को बचाने के लिए उनके ग्रह के निकट पृथ्वी ग्रह से जल को ल जाने के लिए वे पृथ्वी पर आए थे।

6. उनकी प्रार्थना क्या थी?

उ. उनकी प्रार्थना थी कि पृथ्वीवासी अपने जलाशयों को साफ और सुरक्षित रखें ताकि उनको भी अंतरिक्ष ग्रहवासियों की तरह जलचोर न बनना पड़े।

VIII. अर्थग्राह्यता-प्रतिक्रिया :

अ. प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. हमारे जीवन में जल का क्या महत्व है?

उ. हमारे जीवन में जल का बड़ा महत्व है। जल के बिना हम जीवित नही रह सकते। खाने, पीने, नहाने, धोने, खेतीबारी करने, बिजली के उत्पादन करने आदि के लिए जल आवश्यक है। इसलिए जल को जीवन कहा है।

2. धरती पर हर हिस्से में जल है, किंतु स्वच्छ जल की मात्रा बहुत कम है। ऐसी स्थिति में जल का सदुपयोग कैसे करेंगे?

उ. धरती पर जल तो है किंतु स्वच्छ पेयजल की मात्रा कम है ऐसी स्थिति में हम ये उपाय कर सकते हैं।

1. वर्षा के पानी को जमा करना चाहिए।
2. नदी - नालियों में ये पानी व्यर्थही समुद्र में न बहाकर उसे बाँधों में इकट्ठा करना चाहिए।
3. खेती तथा बिजली उत्पादन में वर्षा के पानी का उपयोग करना चाहिए।
4. बिंदु - सिंचाई से खेती कर पानी का सही मात्रा में उपयोग करना चाहिए।
5. आवश्यकतानुसार ही जल का सदुपयोग करना चाहिए।
6. पानी का महत्व पाठ्यक्रम में बताकर इसका प्रचार और प्रसार करेंगे।
7. जल व्यर्थ करनेवालों पर कड़ी नज़र रखेंगे।

आ. पाठ पढ़िए। अभ्यास कार्य कीजिए।

1. हमारे घर पहुँचने वाले जल का उपयोग हम किसके लिए कर रहे हैं?

उ. हमारे घर में पहुँचने वाले जल का उपयोग रसोई पकाने, खाने, पीने, नहाने, धोने, शौचालय जाने तथा साफ सफाई के लिए कर रहे हैं।

2. जल की समस्या भविष्य में क्या आपदाएँ ला सकती हैं?

उ. जल की समस्या भविष्य में भयंकर आपदाएँ ला सकती हैं। जो इस प्रकार होंगी।

1. पीने के पानी यानी पेयजल की कमी होगी।
2. खेती बारी को पानी न मिला तो अनाज की पैदावार सही मात्रा में नहीं होगी, जिससे खादयान्न की कमी हो सकती हैं।
3. कृषि प्रधान अर्थव्यवस्था वाले देशों की आर्थिक स्थिति बिगड जायेंगी।
4. पानी के लिए लोगों के बीच, राज्यों के बीच, राष्ट्रों के बीच लड़ाई - झगड़े हो जाएँगे।
5. जीव - जन्तु, पशु-पक्षी मरने लगेंगे।
6. दूषित जल के उपयोग से बीमारियाँ फैलेंगी।
7. जगह - जगह गंदगी होगी।
8. प्राणी धरती पर न के बराबर होंगे।
9. धरती की सुंदरता नष्ट हो जाएगी।
10. जल की खोज में लोग भटकने लगेंगे, पानी को भूगर्भ से ऊपर लाने के लिए कूपनलिकाओं का उपयोग कर भूगर्भ को छन्नी करेंगे। जिससे भूगर्भ को हानि पहुँचकर भयंकर समस्याएँ उत्पन्न होंगी।

3. **जल की समस्या का समाधान क्या है?**

उ. जल की समस्या को सुलझाने के ये उपाय हो सकते हैं।

1. बढ़ती जनसंख्या पर नियंत्रण पाना चाहिए।
2. पर्यावरण प्रदूषण पर नियंत्रण पाने से वर्षा नियमित तथा सही मात्रा में होगी। अतिवृष्टि या अनावृष्टि का सामना नही करना पडेगा।
3. वर्षा का जल इकट्ठा करना चाहिए।
4. बिंदु-सिंचन से खेती करनी चाहिए।
5. धरती पर तालाब, बाँध, नहरो का निर्माण करना चाहिए जिसमें वर्षा का पानी भरा रहे तो वो रिसकर जमीन में जायेगा और भूगर्भ में पानी का भंडार रहने से जरूरत के समय हम उसका उपयोग कुएँ या कूपनलिकाओं से कर सकते है। कुएँ और कूपनालिकाओं को भूमि के आंतरिक (भीतरी) रूप से पानी का स्रोत मिल जायेंगा। धरती गुल्लक के समान हैं। भूगर्भ जल बढाने की कोशिश करनी चाहिए। पानी का उपयोग आवश्यकतानुसार सतर्कता से करना चाहिए।
6. आवश्यकता से अधिक जल का उपयोग कर जल को नष्ट नही करना चाहिए।
7. जलशुध्दि यंत्र की सहायता से पानी को शुध्द करना चाहिए।
8. वषा के पानी को व्यर्थ सागर में बहने से रोकना चाहिए।

इ. निम्न लिखित पंक्तियों की व्याख्या कीजिए।

1. **इस प्रकार पृथ्वी का चक्कर लगाने का क्या मतलब हो सकता है?**

उ. यह वाक्य ''जल ही जीवन है'' नामक पाठ का है इसके लेखक श्री प्रकाश जी है। प्रो. दीपेश ने पहले दिन शाम के समय जब यान को दखा तब उन्होंने सोचा कि

अगले दिन भी उसी समय यान वहाँ से गुजरेंगा। प्रो. दीपेश और प्रो. विकास उस यान की प्रतीक्षा कर रहे थे और उनका इंतजार व्यर्थ नहीं गया। दुबारा वह यान उसी रास्ते से गुजरा, लेकिन वापस अंतरिक्ष में न जाते हुए वो बाग में ही उत्तर गया। तब दोनों आश्चर्यचकित होकर उसे देखते, हुए सोचते हैं कि यह यान यहाँ क्यों उतरा इस प्रकार पृथ्वी का चक्कर लगाने का क्या मतलब हो सकता है? उनके मन में बहुत सारे संदेह और प्रश्न उभरते हैं।

2. हम लोग यहाँ एक मिशन के तहत आए हैं।

उ. यह वाक्य ''जल ही जीवन है'' नामक कहानी पाठ से लिया गया है। कहानीकार श्री प्रकाश जी है। प्रो. दीपेश और प्रो. विकास आकाश से उतरे अंतरिक्ष यान तथा अंतरिक्ष यात्री को देखकर आश्चर्यचकित हो गए तब अंतरिक्ष यान से उतरे मानवाकृति ने यह कहा की, ''हम लोग इस ग्रह से एक प्रकाशवर्ष दूर के एक ग्रह के वासी है। हम लोग एक मिशन के तहत आए हैं।'' वह मिशन पृथ्वी के जलाशय के पानी को अपने ग्रह ले जाना था।

3. आप अपने जलाशयों को साफ़ और सुरक्षित रखें ताकि आपको भी हमारी तरह जलचोर न बनना पड़ें।

यह वाक्य ''जल ही जीवन है।'' पाठ से लिया गया है। कहानीकार श्री प्रकाश जी है। अंतरिक्ष ग्रह के राजा पृथ्वी-ग्रहवासियों के अनुमति के बिना जलनिधिचुराने के लिए माफ़ी माँगते हैं। वे वापस जाते वक्त एक वस्तु छोड़ देते हैं। उसपर लिखा था कि आप अपने जलाशयों को साफ और सुरक्षित रखें ताकि आपको भी हमारी तरह जलचोन बनना पड़े। इसका अर्थ है कि पृथ्वी की जल राशियाँ दूसरे ग्रहवासियों के काम आती है

यदि यहाँ की जलराशियाँ विषैले बने तो पृथ्वी वासियों को भी दूसरे ग्रहों की ओर दौड़ना पड़ेगा और यह कष्टदायक होगा। इसलिए जल को सुरक्षित रख और सतर्क रहें।

ई. विज्ञापन पढ़कर कोई चार प्रश्न बनाइए।

प्रश्न :

1. **यह विज्ञापन किस मंत्रालय की ओर से जारी किया गया है?**
2. **इस विज्ञापन में किस कार्यक्रम के बारे में बताया गया है?**
3. **यह कार्यक्रम कितने क्षेत्रों के क्रियाशीलता पर लक्षित हैं?**
4. **इस कार्यक्रम से कितने करोड़ किशोरों को लाभ होगा?**

IX. अभिव्यक्ति - सृजनात्मकता :

अ. इन प्रश्नों के उत्तर तीन-चार पंक्तियों में लिखिए।

1. ''जल ही जीवन है।'' शीर्षक से आपका क्या अभिप्राय है?

उ. 'जल ही जीवन है' अर्थात पानी ही जिंदगी है, पानी ही सब कुछ है, पानी के बिना जिंदा नहीं रह सकते। जल का एक पर्यायवाची शब्द है - 'जीवन' और एक शब्द है 'अमृत'।

जल, जन और जग का गहरा नाता हैं। हर एक प्राणी वनस्पती के लिए जल आवश्यक है। जल के बिना जीवन की कल्पना नही हो सकती इसीलिए जल मे जीवन जुडा है यही'जल ही जीवन है' शीर्षक से मरा अभिप्राय है।

2. **जल स्रोत के रख रखाव के बारे में आप क्या सुझाव देना चाहेंगे?**

उ. जल स्रोत के रख रखाव के बारे में मैं ये सूचनाएँ / सुझाव देना चाहता हूँ।

1. जल स्रोत को दूषित होने से बचाना चाहिए।
2. शहरों की गंदगी तथा कल-कारखानों के कचरे को नदियों में गिराने से रोकना होगा।
3. कुएँ के जल को दूषित होने से बचाने के लिए उनको ढ़कने की व्यवस्था करनी होगी।
4. पेयजल की नदियों में कपड़े धोने या जानवरों को नहलाने पर प्रतिबंध (रोक) लगाना होगा।
5. जल प्रदूषण को हटाने के लिए सरकार जो कदम उठाती हैं उसमें सरकार के साथ हमें सहयोग करना चाहिए।

आ. आज दुनिया के सभी देशों में जल की समस्या बनी हुई है। इसके समाधान में हम सब की क्या जिम्मेदारी है?

उ. आज दुनिया के सभी देशों में जल की समस्या बनी हुई है। इसके समाधान में हम सबको यह ज़िम्मेदारी उठानी चाहिए। समस्या को सुलझाने के लिए जागरुक रहना चाहिए। सरकार को भी इसके तहत कुछ कदम उठाने चाहिए।

1. वर्षा के पानी को व्यर्थ ना बहने दे, उसे इकट्ठा करना चाहिए।
2. नदियों पर बाँध बनायें।
3. भूगर्भ में पानी की मात्रा बनी रहें। इसके लिए कोशिश करनी चाहिए कि, पानी तालाबों नदियों तथा नहरों में जमा हो। इसके लिए तालाबों, नदियों तथा नहरों के लिए जमीन रहें उसपर इमारतें न बनी हो।

4. खारे पानी को शुध्द करने का प्रबन्ध करना चाहिए।

5. जल-विवादों को चर्चाओं द्वारा हल करना चाहिए।

6. संयुक्त राष्ट्र संघ के व्दारा जल संघो की स्थापना करके जल को बाँटने की कोशिश करे। जल प्रदूषण से बचे रहने के कार्यक्रम को अमल में लाना चाहिए।

7. जनता को भी जल समस्या के समाधान में सरकार को सहयोग देना चाहिए।

इ. ''जल ही जीवन है।'' इस विषय पर एक पोस्टर बनाइए।

ई. आपके गाँव में जल संरक्षण कैसे किया जा रहा है? इसके बारे में बताते हुए कुछ सुझाव दीजिए।

उ. हमारे गाँव में जल संरक्षण की विधि कुछ इस तरह है।

1. हमारे गाँव में जो तालाब है उनमें पशुओं के प्रवेश पर (मनाही) रोक लगाई गई है।

2. घर घर में नल का प्रबंध किया है।

3. कचरे को, जहरीले पदार्थो को जलाशयों में डालने पर रोक लगा दी है।

4. कुएँ के जल को दूषित होने से बचाने के लिए उनपर ढ़कने की व्यवस्था की गयी है।

5. जल शुध्दि की प्रक्रियों का प्रयोग कर जल को शुध्द रखा जा रहा है।

सुझाव :

1. समय-समय पर तालाबों की सफाई करनी चाहिए।

2. जल संरक्षण समिति की स्थापना करनी चाहिए।

3. समिति के तहत जल संरक्षण संबंधी विषयों पर निर्णय तथा सूचनाएँ देनी चाहिए।

X. भाषा की बात :

अ. सूचना पढ़िए। उसके अनुसार कीजिए।

1. **'जल' शब्द से कई शब्द बने हैं।**

जैसे: जलचर। इसी तरह के तीन उदाहरण दीजिए।

1. जलज 2. जलद 3. जलराशि

2. **पाठ में आये विदेशज शब्द चुनकर लिखिए। जैसे : मिशन ।**

1. यान 2. प्रो. 3. लान 4. गुज़रना

आ. नीचे दिये गये वाक्य पढ़िए। कोष्ठक में दी गयी सूचना के अनुसार वाक्य बदलिए।

1. **यह तो कोई यान है। (भूत काल में बदलिए।)**

उ. यह तो कोई यान था।

2. **मेरे कई साथी उस संपूर्ण नीले ग्रह पर फैले थे। (भविष्य काल बदलिए)**

उ. मेरे कई साथी इस संपूर्ण नीले ग्रह पर फैलेंगे।

3. **पानी के अभाव में हमारे लोग मर रहे थे। (वर्तमान काल में बदलिए)**

उ. पानी के अभाव में हमारे लोग मर रहे हैं।

4. **हम लोग अपना मिशन चुपचाप पूरा करना चाहते थे। (भविष्य काल में बदलिए)**

उ. हम लोग अपना मिशन चुपचाप पूरा करना चाहेंगे।

इ. नीचे दिया गया उदाहरण पढ़िए। उसके अनुसार एक वाक्य बनाइए।

उदाहरण : पृथ्वी पर मानव ने काफ़ी प्रगति कर ली थी। पृथ्वी पर किसने काफ़ी प्रगति कर ली थी?

उ. अभी तक ऐसे यान का आविष्कार नहीं हुआ है। अभी तक किसका आविष्कार नहीं हुआ है?

ई. अर्थ के आधार पर वाक्य पहचानिए।

1. **ओह! यह तो कोई यान है।**

उ. विस्मयादि बोधक)

2. **यह यान कहाँ से आया?**

उ. प्रश्नवाचक

3. **दोनों ने एक साथ उस अंतरिक्ष यात्री से पूछा।**

उ. निदान वाचक

4. **यहाँ का जल शुद्ध होगा।**

उ. संदेहवाचक

5. **हमारे यहाँ जल होता तो हम पृथ्वी पर न आते।**

उ. संकेतवाचक

6. हमें शुध्द जल चाहिए।

उ. आज्ञावाचक

7. आप भी कभी हमारे यहाँ आइए।

उ. इच्छावाचक

8. नदी-नालों में कचरा बहाना मना है।

उ. निषेधवाचक